

तारीख हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज

२६/५/२२

पञ्जाबमी प्रान्त। तहसीलदार, डरभवाड़े से  
पुनः रिपोर्ट प्राप्त हुई शाहील मिल्स की  
गई बहल प्राण फा सुनी गई पञ्जाबमी  
का इन्वोल्वमेंट किया गया। मुताबिक तहसील  
दार रिपोर्ट सही सिंह पुत्र सैरा सिंह  
प्राप्ति पञ्जाबी फा लकी नाम सुरजीत सिंह  
पुत्र सैरा सिंह जाति ककरी है। दोनों  
एक ही व्यक्ति के नाम हैं तथा वारी का  
नाम लकी सिंह के स्थान पर सुरजीत सिंह  
किये जाने की अनुमति है।


पञ्जाबमी का इन्वोल्वमेंट किया गया  
एवं तहसीलदार रिपोर्ट एवं पञ्जाबमी में  
तलम दस्तावेजों पर मन्तन किया गया।  
यूनि वारी का नाम राजान्व रिकॉर्ड  
में लकी सिंह है लेकिन शाहपूचापट-78  
D.B. के प्रमाण-पत्र, झाचाट कांड, रामन  
कांड, भावर निवेशन इन्फोर्ग डाप जारी  
पहचान पत्र में वारी का नाम सुरजीत  
सिंह पुत्र सैरा सिंह है। डा. सुभाषिक  
तहसीलदार रिपोर्ट, उपरलक्ष्य दस्तावेजों के  
झाचाट पर वारी का वाड लीकाल किम  
आना - प्रामाणिक प्रतीत होता है।

: धारणा:

उपरोक्त विवेचन के झाचाट पर  
वाड लीकाल किया जाकर एक-79 D.B.  
तहसील डरभवाड़े का मुखलख नं.-14 परसे-  
२४४/५३१ का किला नं.-17715 में कुल  
ड.795 हेम्टर संपुर्ण रूप से राजान्व  
रिकॉर्ड में पजी वृषि वृषि के राजान्व  
रिकॉर्ड में शर्दी का नाम लकी सिंह पुत्र

संतोखा सिंह के लभान पर सती सिंह उर्फ  
सुरजीत सिंह पुत्र सती सिंह का अकन  
राजस्व रिकार्ड में कले हेतु तहसीलदार,  
अनूपगढ़ को इन्फॉर्म किया जाता है।

निर्णय मज्मे काय केंप को 549.8  
में सुनाया गया।

  
(प्रियंका तलानिया)  
उपखण्ड अधिकारी  
अनूपगढ़